इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology
Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.
ISO 9001 : 2008

मासिक पत्र आई.एच.टी
समाचार

सितंम्बर 2018 वॉल्यूम 1 नं 1

आई. एच. टी, ने मैनेज द्वारा प्रायोजित कृषि अधिकारियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण कराया

कृषि अधिकारी हाइड्रोपोनिक नर्सरी पर प्रयोगात्मक कार्य करते हुए (बाएं) इंस्टिट्यूट के चेयरमैन डॉ के.एल. चड्ढा एवं डॉ. विनीता कुमारी डिप्टी डॉयरेक्टर (जेन्डर स्टडिज) मैनेज प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरित करते हुए (दायें)

23 सितम्बर, 2018 को आई.एच. टी के मुख्य परिसर, ग्रेटर नोएडा में मैनेज (नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट, हैदराबाद) की सात दिवसीय कोलेबोरेटिव ट्रेनिंग का "इनोवेटिव प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस ऑफ़ वेजिटेबल क्रॉप्स अंडर प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन" नामक विषय पर आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उद्यानिकी अधिकारियों को भारत की विभिन्न भौगोलिक परिस्थितीयों में ग्रीनहाउस का वातावरण अनुकूल बनाए रखनें एवं विभिन्न ढाचों का चुनाव करने की तकनीको का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही साथ संरक्षित वातावरण में टमाटर, शिमला मिर्च एवं खीरे के उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादन की तकनीकों जैसेः– ट्रेनिग, प्रूनिंग, स्टेकिक एवं थिनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। टपक सिंचाई के साथ फर्टीगेशन एवं फसल सम्बन्धी विभिन्न देहिक विकारों, कीट एवं रोग प्रबन्ध की भी जानकारी दी गई।

29 सितम्बर, 2018 को प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित किया गया, जिसमे आई.एच.टी के चेयरमैन डॉ. के. एल चड्ढा एवं मैनेज की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. विनीता कुमारी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। डॉ. विनीता कुमारी ने अधिकारियों को संबोधित किया एवं उसके बाद सभी उद्यानिकी अधिकारियों को सर्टिफिकेट वितरित किये।

डॉ. विनीता कुमारी डिप्टी डॉयरेक्टर (जेन्डर स्टडिज) मैनेज हैदराबाद ने संस्थान के टेक्नोलॉजी पार्क में स्थित विभिन्न प्रकार के ग्रीनहाउसों में नवीन तकनीकियों द्वारा की जा रही उद्यानिकी फसलों की खेती का परिदर्शन किया तथा संस्थान में दिए जा रहे प्रशिक्षण एवं प्रयोगात्मक कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान में इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम निरन्तर चलते रहने चाहिए जिससे कि किसानों को समय–समय पर नवीन तकनीकियों से होने वाली खेती की जानकारी मिलती रहे, जिससे किसान अपनी आय में वृद्वि कर सकें।

तत्काल निर्देश

गोभीवर्गीय फसलों की मध्य किस्मो को लगाने का उपयुक्त समय है।

आई. एच. टी, मंदिरा, असम द्वारा उत्तर पूर्व क्षेत्र के किसान व उद्यमियों को दिये गये प्रशिक्षण कार्यकम

17 एवं 18 सितम्बर, 2018 को दो दिवसीय फील्ड डे कार्यक्रम "डेन्ड्रोबियम आर्किड कट फ्लावर प्रोडक्शन" नामक विषय में आई. एच. टी–आई. बी.एस. डी की साईट हरारू, मणिपुर में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मणिपुर के किसानो एवं व्यवसायियों को डेन्ड्रोबियम स्पाइक की कटाई की उपयुक्त तकनीक एवं वैल्यू एडिशन एवं मार्केटिंग के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

आई. एच. टी, मंदिरा में भी 19 सितम्बर, 2018 को एक दिवसीय फील्ड डे कार्यक्रम "डेंड्रोबियम आर्किड कट फ्लावर प्रोडक्शन" नामक विषय पर दिया गया, जिस प्रशिक्षण कार्यक्रम में असम के किसानों को प्रशिक्षित किया गया।

16 से २२ सितम्बर तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "जनरेशन ऑफ़ क्वालिटी प्लांटिंग मैटेरीयल इन बनाना, पाईनेप्पल एंड टरमेरिक" नामक विषय पर दिया गया ।

22 सितम्बर को मिजोरम में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "क्वालिटी प्लान्टींग मैटेरीयल फॉऱ वेजिटेबल क्रॉप्स" नामक विषय पर आयोजित किया गया।

तत्काल निर्देश

फल वृक्ष की अच्छी बढवार के लिए अक्टूबर माह में बेसल डोज कि दूसरी खुराक का उपयोग करें।

समाचार
सितंम्बर 2018 वॉल्यूम 1 नं 1

मध्य प्रदेश, भोपाल में राज्य के विभिन्न जनपदों से आये हुए उद्यानिकी अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

भोपाल में कान्हासैया स्थित "स्टेट लेवल ट्रेनिंग एंड डेमोस्ट्रेशन सेंटर" पर 3 समूहों में "गुड एग्रीकल्चरल प्रेक्टीसेज वीद स्पेशल रेफरेन्स टू मॉडर्न हॉर्टीकल्चर प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस" नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया। इस प्रशिक्षण में राज्य के विभिन्न जनपदों से आये 90 उद्यानिकी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण मुख्यतः उद्ययानिकी मे अच्छी कृषि कृयाओं पर आधारित था जिसमे अधिकारी गणों को अच्छी कृषि कियाओं का महत्व एवं नवीनतम तकनीको से जन कल्याणकारी जानकारियां साझा की गई। सभी 5 दिवसीय कार्यक्रम अत्यधिक सफल रहे एवं उद्ययान अधिकारी कार्यक्रम से संतुष्ट थे।

उद्यानिकी अधिकारी सीडिंग मशीन पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

उद्यानिकी अधिकारी मृदा परीक्षण पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

उद्यानिकी अधिकारी सब्जियों की ग्राफ्टिंग पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए

असम के प्रगतिशील केला उत्पादक किसानों का नासिक मे भ्रमण

आई. एच. टी ने असम के केला उत्पादको को नासिक में सह्याद्री फार्म का एक्सपोजर विजिट कराया। किसानो ने पोस्ट हारवेस्ट मैनेजमेंट तकनीकियों जैसे तुडाई, छंटाई, पैकेजिंग आदि के बारे में जाना। उन्होने केले के मार्केटिंग एवं एक्सपोर्ट के बारे में जाना।

विभिन्न औद्योगिक विषयो पर उद्यमियो को प्रशिक्षण

उद्यमियों ने आई. एच. टी के मुख्य परिसर ग्रेटर नोएडा में संचालित 3 दिवसीय एवं 5 दिवसीय विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे कि प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन ऑफ हाई वेल्यू वेजिटेबल्स, प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन ऑफ कट फ्लावर्स एवं हाइड्रोपोनिक्स कल्टीवेशन टेकनिक ऑफ वेजिटेवल्स मे भी भाग लिया।

तत्काल निर्देश

शरद मौसमी फूल जैसे कि मैरीगोल्ड, साल्विया, पिटूनिया इत्यादि फूलों की पौध तैयार करने का उपयुक्त समय है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम (1 सितम्बर – 30 सितम्बर) में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के कुछ चित्र

1 से 30 सितम्बर तक नई दिल्ली म्युनिसिपल कार्पोरेशन विभाग के मालियों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "लेटेस्ट टेक्नोलॉजीस ऑफ़ मॉडर्न गार्डनिंग" इस प्रशिक्षण का मुख्य भाग "वर्टीकल गार्डनिंग" था। यह प्रशीक्षण 3 अलग अलग समूहों में समपन्न कराया गया।

इस लघु प्रशिक्षण में उद्यानिकी के विभिन्न घटकों एवं डिजाइनों की गहन जानकारी दी गई। साथ ही साथ भारत में आए नये पौधों, उनके प्रवर्धन एवं रखरखाव का प्रशिक्षण दिया गया वर्टीकल गार्डनिंग की अति गहन जानकारी साझा करने हेतु कुछ अनुभवी व्यक्यिों को भी मिलवाया गया। जिन्होने वर्टीकल गार्डनिंग के विभिन्न घटकों, पोशक तत्व प्रबन्धन एवं डिजाइनो के बारे में जानकारी दी। सभी 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यधिक सफल रहे एवं सभी प्रशिक्षणार्थि कार्यक्रम से सतुष्ट थे।

एन.डी.एम.सी के माली प्रो–ट्रे पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (10–12 सितम्बर)

एन.डी.एम.सी के माली वर्मी कम्पोस्ट पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (13–15 सितम्बर)

एन.डी.एम.सी के माली आर्किड पर प्रशिक्षण ग्रहण करते हुए (17–19 सितम्बर)

आई.एच.टी के मुख्य परिसर, ग्रेटर नोएडा में सितम्बर, 2018 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

सितम्बर, 2018 मास में आयोजित कार्यक्रमों का सारांश निम्न तालिका में दर्शाया गया है

कमांक	प्रशिक्षणार्थी	प्रशिक्षण विषय	अवधि	दिनांक
1	न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कार्पोरेशन	लेटेस्ट टेक्नोलॉजीस ऑफ़ मॉडर्न गार्डनिंग	3 दिन	10 सितम्बर – 12 सितम्बर
2	न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कार्पोरेशन	लेटेस्ट टेक्नोलॉजीस ऑफ़ मॉडर्न गार्डनिंग	3 दिन	13 सितम्बर – 15 सितम्बर
3	न्यू दिल्ली म्युनिसिपल कार्पोरेशन	लेटेस्ट टेक्नोलॉजीस ऑफ़ मॉडर्न गार्डनिंग	3 दिन	17 सितम्बर – 19 सितम्बर
4	मैनेज–आई.एच.टी कोलेबोरेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम	इनोवेटिव प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस ऑफ़ वेजिटेबल क्रॉप्स अंडर प्रोटेक्टेड कंडीशन	7 दिन	23 सितम्बर – 29 सितम्बर
5	प्राइवेट बैच	मॉडर्न टेक्नोलॉजीस फॉर प्रोडक्शन ऑफ़ वेजिटेबल्स इन ग्रीनहाउस	5 दिन	04 सितम्बर – 08 सितम्बर
6	प्राइवेट बैच (हाईड्रोपोनिक्स)	हाइड्रोपोनिक क्रॉप प्रोडक्शन	3 दिन	06 सितम्बर – 08 सितम्बर
7	प्राइवेट बैच (हाईड्रोपोनिक्स)	हाइड्रोपोनिक क्रॉप प्रोडक्शन	3 दिन	25 सितम्बर – 27 सितम्बर
8	प्राइवेट बैच (कट फ्लावर)	प्रोडक्शन टेक्नोलॉजीस ऑफ़ कट फ्लावर	5 दिन	25 सितम्बर – 29 सितम्बर

इंस्टीट्यूट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर टेक्नोलॉजी
Institute of Horticulture Technology
Recognised by Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Government of India.
D-1, Krishna Apra Building, 3rd Floor
Alpha Commercial Belt, Alpha-1, Greater Noida – 201308, Delhi NCR region, India
Telephone: 011- 46604988, website: www.iht.edu.in, Email: enquiry@iht.edu.in, training@iht.edu.in